



प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, दिनांक:12/मार्च/2021

मुंबई-नागपुर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए आज से शुरु होगा लीडर सर्वेक्षण

मुंबई-नागपुर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (लगभग 736 किमी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु लीडर सर्वेक्षण आज से शुरु हुआ, जिसमें अत्याधुनिक एरियल लीडर और इमेजरी सेंसर से लैस एक हेलिकॉप्टर ने पहली बार उड़ान भरते हुए जमीनी सर्वे करते हुए सर्वेक्षण से संबंधित कई महत्वपूर्ण आंकड़ों को कैचर किया।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड लाइट डिटेक्शन एंड रेजिंग सर्वे (लीडर) तकनीक को अपना रहा है, जो तीन से चार माह में सभी जमीनी विवरण और डेटा मुहैया करती है, जबकि सामान्य रूप से इस कार्य में 10 से 12 महीने का समय लगता है।

जमीनी सर्वेक्षण किसी भी रेखिक अवसंरचना परियोजना के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि इस सर्वेक्षण से संरेखण के आसपास के क्षेत्रों का सटीक विवरण प्रदान मिलता है। इस तकनीक में सटीक सर्वेक्षण डेटा पाने के लिए लेजर डेटा, जीपीएस डेटा, फ्लाइट मापदंडों और वास्तविक तस्वीरों का उपयोग किया जाता है।

एरियल लीडर सर्वेक्षण के दौरान, प्रस्तावित संरेखण के आसपास के 150 मीटर क्षेत्र पर सर्वेक्षण किया जा रहा है। आंकड़ों के संग्रह के बाद, गलियारे के लिए परियोजना प्रभावित भूखंडों / संरचनाओं की पहचान राइट ऑफ वे आदि के लिए ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज संरेखण का डिजाइन, संरचना, स्टेशनों व डिपो का स्थान, आवश्यक भूमि के लिए 1 : 2500 के पैमाने पर प्रस्तावित संरेखण के कॉरिडोर के तीन आयामी (3डी) स्थलाकृतिक मानचित्र उपलब्ध होंगे।

संरचनाओं, पेड़ों और अन्य विवरणों की स्पष्ट तस्वीरें प्रदान करने के लिए, लीडर सर्वेक्षण के लिए 100 मेगापिक्सेल कैमरों का उपयोग किया जा रहा है।

एनएचएसआरसीएल को सात (7) हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया है और इन सभी कॉरिडोर के जमीनी सर्वेक्षण हेतु लीडर सर्वेक्षण तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

अन्य जानकारियां:

मुंबई नागपुर एचएसआर कॉरिडोर (लगभग 736 किमी) की प्रस्तावित योजना मुंबई शहर को नागपुर, खापरी डिपोर्ट, वर्धा, पुलगांव, कारंजालाड, मालेगाँव जहाँगीर, मेहकर, जालना, औरंगाबाद, शिरडी, नासिक, इगतपुरी, शाहपुर जैसे शहरों / कस्बों से जोड़ेगी।

संलग्नक:

फोटो